

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (GBS): एक संक्षिप्त जानकारी

1 परिचय

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (GBS) एक दुर्लभ लेकिन गंभीर न्यूरोलॉजिकल विकार है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से परिधीय तंत्रिकाओं (Peripheral Nerves) पर हमला कर देती है। इस स्थिति के कारण मांसपेशियों में कमजोरी, सुन्नता और कुछ मामलों में आंशिक या पूर्ण पक्षाघात (Paralysis) हो सकता है। हाल ही में, भारत में GBS के मामलों में वृद्धि देखी गई है, इसलिए फार्मासिस्ट के लिए इस बीमारी को समझना आवश्यक है।

2 भारत में GBS के मामलों में वृद्धि और महामारी विज्ञान

- GBS एक दुर्लभ स्थिति है, जिसकी वार्षिक घटनाएं प्रति 1,00,000 जनसंख्या में 1-2 मामले होती हैं।
- हाल ही में, भारत में GBS के मामलों में वृद्धि देखी गई है, विशेष रूप से कोविड-19, डेंगू और चिकनगुनिया जैसे वायरल संक्रमणों के बाद।
- कुछ अध्ययनों से पता चला है कि कुछ टीकाकरण (Vaccination) और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण (उदाहरण: *Campylobacter jejuni*) से भी GBS का संबंध हो सकता है।

3 लक्षण और बीमारी की प्रगति

>> प्रारंभिक लक्षण:

- पैरों या हाथों में झुनझुनी या सुन्नता
- मांसपेशियों में कमजोरी, विशेष रूप से पैरों में
- चलने में कठिनाई या संतुलन बनाए रखने में परेशानी

>> बीमारी की प्रगति:

- कमजोरी धीरे-धीरे हाथों और शरीर के ऊपरी हिस्से में फैल सकती है
- गंभीर मामलों में पक्षाघात (Paralysis) और सांस लेने में कठिनाई हो सकती है
- बीमारी की गंभीरता 2-4 सप्ताह में चरम पर पहुंचती है

>> पुनर्प्राप्ति (Recovery):

- अधिकांश मरीज 6 महीने से 1 वर्ष के भीतर पूरी तरह ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मरीजों में लंबे समय तक कमजोरी बनी रह सकती है।

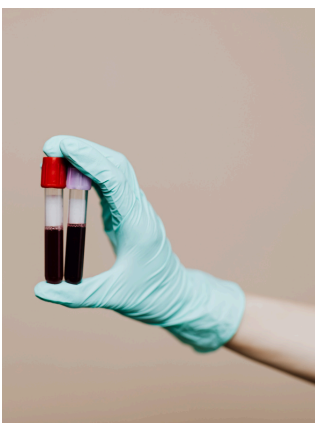
4 कारण और जोखिम कारक

- वायरल संक्रमण: इन्फ्लूएंजा, कोविड-19, एपस्टीन-बार वायरस (Epstein-Barr Virus)
- बैक्टीरियल संक्रमण: *Campylobacter jejuni* (GBS का सबसे आम कारण)
- टीकाकरण: अत्यंत दुर्लभ मामलों में, टीकाकरण के बाद GBS हो सकता है
- सर्जरी या चोट (Trauma) के बाद



5 निदान के तरीके

- क्लिनिकल लक्षण: तेजी से बढ़ने वाली मांसपेशियों की कमजोरी
- नर्व कंडक्शन स्टडीज (NCS): तंत्रिका कार्य में असामान्यता दर्शाता है
- लंबर पंचर (CSF विश्लेषण): प्रोटीन स्तर अधिक लेकिन WBC सामान्य



6 उपचार के विकल्प

- प्लाज्माफेरेसिस (Plasma Exchange): हानिकारक एंटीबॉडी को हटाता है
- इंटरवीनस इम्युनोग्लोब्युलिन (IVIg): प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा होने वाली तंत्रिका क्षति को रोकता है
- सहायक देखभाल:
- सांस लेने में परेशानी होने पर वेंटिलेशन (Ventilator Support)
- दर्द प्रबंधन और फिजियोथेरेपी